Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/1, 3/2, 3/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 1	2	3	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
				खंड 'क'	
1	1	2	1		
	(i)	(i)	(i)	ग	1
	(ii)	(ii)	(ii)	क	1
	(iii)	(iii)	(iii)	ख	1
	(iv)	(iv)	(iv)	घ	1
	(v)	(v)	(v)	क	1 5
2	2	1	2		
	(i)	(i)	(i)	क	1
	(ii)	(ii)	(ii)	क	1
	(iii)	(iii)	(iii)	ख	1
	(iv)	(iv)	(iv)	ख	1
	(v)	(v)	(v)	क	1 5

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/1, 3/2, 3/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
3	3	4	3		
	(i)	(i)	(i)	ख	1
	(ii)	(ii)	(ii)	क	1
	(iii)	(iii)	(iii)	ग	1
	(iv)	(iv)	(iv)	घ	1
	(v)	(v)	(v)	क	1 5
4	4	3	4		
	(i)	(i)	(i)	ग	1
	(ii)	(ii)	(ii)	ग	1
	(iii)	(iii)	(iii)	ख	1
	(iv)	(iv)	(iv)	क	1
	(v)	(v)	(v)	ख	1 5

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/1, 3/2, 3/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
				खंड – 'ख'	
5	5	–	–		
	(क)	–	–	मिश्र वाक्य	1
	(ख)	–	–	जब मैं जल्दी से बाहर गया तब ओले देखने लगा।	1
	(ग)	–	–	नवाब साहब ने कुछ देर गाड़ी की खिड़की के बाहर देखा और स्थिति पर गौर करते रहे।	1 3
	–	5	–		
	–	(क)	–	मिश्र वाक्य	1
	–	(ख)	–	आजकल हम लोग मिट्टी के जो गोले बनाते हैं, उन्हें सुखा देते हैं।	1
	–	(ग)	–	स्थानीय कलाकार की मजबूरी थी इसलिए उसने नेताजी की मूर्ति बनाने का काम किया।	1 3
	–	–	5		
	–	–	(क)	मिश्र वाक्य	1
	–	–	(ख)	जो चिड़िया हमारी खिड़की पर बैठी थी, वह डरी–डरी थी।	1
	–	–	(ग)	झूरी के दोनों बैल मजबूर थे इसलिए उन्हें गया के घर जाना पड़ा।	1 3

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/1, 3/2, 3/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
6	6	–	–		
	(क)	–	–	सभी दर्शकों के द्वारा / द्वारा नाटक की प्रशंसा की गई।	1
	(ख)	–	–	प्रेमचंद ने गोदान लिखा।	1
	(ग)	–	–	उससे अब भी बैठा नहीं जाता।	1
	(घ)	–	–	इन मच्छरों में रातभर कैसे सोएँगे।	1 4
	–	6	–		
	–	(क)	–	सभी बच्चों के द्वारा / द्वारा गीत गाए गए।	1
	–	(ख)	–	यह मेज़ मैंने तोड़ी / तोड़ दी।	1
	–	(ग)	–	तुम्हें क्या हुआ, तुमसे पढ़ा नहीं जाता।	1
	–	(घ)	–	यहाँ रातभर कैसे सोएँगे / सो सकेंगे।	1 4
	–	–	6		
	–	–	(क)	माँ के द्वारा / द्वारा स्वादिष्ट भोजन बनाया गया।	1
	–	–	(ख)	यह दर्पण मैंने गिराया था।	1
	–	–	(ग)	इतनी गर्मी में किससे सोया जा सकता है?	1

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अंक–योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/1, 3/2, 3/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')　　　　　　　　　　　　　　　　　कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
	–	–	(घ)	रातभर कैसे जागेंगे?	1 4
7	7	–	–	(पद–परिचय में अनिवार्य रूप से व्याकरणिक कोटि का भेद और एक अन्य बिंदु का उल्लेख अपेक्षित)	
	(क)	–	–	बालगोबिन भगत की – व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक।	½ +½ =1
				उस – सार्वनामिक विशेषण, 'दिन'–विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग।	½ +½ =1
				जब – अव्यय, कालवाचक क्रियाविशेषण, 'मरा' क्रिया का विशेषण	½ +½ =1
				मरा – अकर्मक क्रिया, भूतकाल, कर्तृवाच्य, पुल्लिंग, एकवचन, 'मर' धातु।	½ +½ =1 4
	–	7	–	बालगोबिन भगत – व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'रोप रहे हैं' क्रिया का कर्ता।	½ +½ =1
				समूचा – परिमाणवाचक विशेषण, 'शरीर'–विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग।	½ +½ =1
				खेत में – जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक।	½ +½ =1
				रोप रहे हैं – सकर्मक क्रिया, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य, धातु–'रोप', पुल्लिंग, एकवचन (आदरार्थक बहुवचन प्रयोग)	½ +½ =1 4
	–	–	7	कबीर के – व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक	½ +½ =1
				और – समुच्चयबोधक अव्यय।	½ +½ =1
				उनके – पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन (आदरार्थक	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/1, 3/2, 3/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
				बहुवचन प्रयोग) संबंधकारक।	½ +½ =1
				चलते थे - अकर्मक क्रिया, भूतकाल, कर्तृवाच्य, 'चल' - धातु, पुल्लिग, एकवचन (आदरार्थक बहुवचन प्रयोग)	½ +½ =1
					4
8	8	8	8		
	(क)	(क)	(क)		
	(i)	(i)	(i)	श्रृंगार रस	1
	(ii)	(ii)	(ii)	भयानक रस	1
	(iii)	(iii)	(iii)	हास्य रस	1
					3
	(ख)	(ख)	(ख)	उत्साह	1
				खंड 'ग'	
9	9	9	9		
	(क)	(क)	(क)	• व्यक्तित्व के सकारात्मक गुण समाप्त होने लगे। • चिड़चिड़े हो गए थे। • स्वभाव शक्की बन गया। • क्रोधी स्वभाव। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	• अच्छी आर्थिक स्थिति। • नवाबी ठाठ-बाट। • समाज में प्रतिष्ठित। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/1, 3/2, 3/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 1	2	3	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	(ग)	(ग)	(ग)	• अपनों के हाथों विश्वासघात के कारण। • आर्थिक विवशताओं के कारण। • अधूरी महत्वाकांक्षाओं के कारण। (किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित)	1 5
	अथवा	अथवा	अथवा		
	(क)	(क)	(क)	• निठल्ला नहीं बैठता। • जरूरत पूरी होने पर भी आंतरिक स्वार्थ से ऊपर उठकर कुछ और जानने की जिज्ञासा। • आविष्कार के लिए प्रेरणा। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर खोज नहीं की बल्कि अंत:प्रेरणा से प्रेरित होकर नए तथ्यों की खोज की।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	क्योंकि पेट भरना / तन ढँकना केवल भौतिक आवश्यकताएँ हैं। अपने से आगे विकास करने वाला मानव संस्कृत है।	1 5
10	10 (क)	10 (क)	10 (क)	• तब स्त्रियाँ संस्कृत नहीं बोल सकती थीं, इसलिए प्राकृत में बात करने का चलन था। • संस्कृत न बोलना अपढ़ या गँवार होने का प्रमाण नहीं था। • सभी शिक्षित संस्कृत ही बोलते थे, इसका भी कोई प्रमाण नहीं है।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/1, 3/2, 3/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
				• यदि प्राकृत अशिक्षितों की भाषा थी, तो बौद्ध व जैन धर्म के हज़ारों ग्रंथों की रचना प्राकृत में क्यों की जाती? • उस समय संस्कृत सर्वसाधारण की भाषा नहीं थी। अत: जो लोग संस्कृत नहीं बोल सकते थे, उनके लिए प्राकृत का विधान था। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	• प्राचीन संस्कृत कवियों के नाटकों में कुलीन स्त्रियों से अनपढ़ों की भाषा में बातें कराई गई हैं। • इतिहास-पुराणादि में उनको पढ़ाने की नियमबद्ध प्रणाली नहीं मिलती। • स्त्रियों को पढ़ाना अनर्थकारी होता है। • शकुंतला कम पढ़ी-लिखी थी, फिर भी गँवारों की भाषा में टूटे-फूटे श्लोक के माध्यम से दुष्यंत को अत्यंत कटु वाक्य कहे। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	उन्होंने समाज में नारी की स्थिति को देखकर उनकी शिक्षा के महत्व को समझ लिया था। जब तक स्त्री शिक्षित नहीं होगी, तब तक समाज एवं परिवार की उन्नति नहीं हो सकती। वे विवेक का प्रयोग कर सड़-गल चुकी परंपराओं को त्यागकर केवल उपयोगी और महत्वपूर्ण परंपराओं को स्वीकारने का पक्ष लेते हैं।	2

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/1, 3/2, 3/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 1	2	3	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
10	(घ)	(घ)	(घ)	• सच्चे सुर की नेमत। क्योंकि सच्चे कलाकार थे, हमेशा सीखते रहते थे, पूर्णता पाने की ललक / इच्छा रहती थी। • विनम्रता, ईश्वर पर आस्था, सच्चे संगीत के साधक थे।	½ +½ +1=2
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	• खानपान में बदलाव। • पुरानी परंपराओं का लुप्त होना। • सांप्रदायिक सद्भाव में कमी। • संगतकारों के प्रति सम्मान में कमी। • रियाज़ में कमी। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2 10
11	11 (क)	12 (क)	11 (क)	आपके शील स्वभाव को कौन नहीं जानता। आप अपने माता-पिता के ऋण से तो भली-भाँति मुक्त हो गए हैं। अब गुरु-ऋण रह गया है, जो हृदय को दुख दे रहा है।	2
	(ख)	(ख)	(ख)	परशुराम के गुरु शिव के ऋण की बात। वे किसी हिसाब-किताब करने वाले को बुला लें, तो लक्ष्मण अपनी थैली खोलकर उनका ऋण चुका देंगे।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	परशुराम पर व्यंग्य कर रहे हैं कि किस प्रकार वे माता-पिता के ऋण से मुक्त हुए।	1 5

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/1, 3/2, 3/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
	अथवा	अथवा	अथवा		
	(क)	(क)	(क)	मुख्य गायक के बुझे हुए मद्धिम स्वर को 'राख जैसा' कहा गया है, क्योंकि स्वर को ऊँचा उठाते हुए जब उसका गला बैठने लगता है, तो उसका स्वर उत्साहहीन होकर ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आग बुझी होने के बाद राख होती है।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	जब मुख्य गायक अपने स्वर को ऊँचा उठाता है तो उसका गला बैठने लगता है और ऐसा लगता है कि उसकी प्रेरणा उसका साथ छोड़ रही है, उसका उत्साह मंद पड़ जाता है।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	मुख्य गायक के लिए प्रयुक्त हुआ है।	1 5
12	12	11	12		
	(क)	(क)	(क)	मृग को चमकती रेत में जल का आभास होता है और वह उसके पीछे दौड़ता-फिरता है किंतु वह उसका भ्रम ही होता है। मानव भी जीवन-भर इसी प्रकार सुख-ऐश्वर्य के पीछे दौड़ता-फिरता है।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	यदि अवसर बीतने पर भी लक्ष्य की प्राप्ति होती है तो उसे स्वीकार कर आनंद उठाना चाहिए।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	बेटी को, क्योंकि वह अभी कच्ची उम्र की है, उसे दुख का अनुभव नहीं है।	1+1=2

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/1, 3/2, 3/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
	(घ)	(घ)	(घ)	परंपरागत माँ अपनी बेटी को सब कुछ सहकर दूसरों की सेवा करने की सीख देती है। लेकिन कविता में माँ सीख देती है कि लड़की के गुणों को बनाए रखना, कमज़ोर मत बनना। वह दहेज के लिए जलाए जाने के खतरे के बारे में लड़की को आगाह करती है। गहने, वस्त्र आदि बंधन है। वह शोषण का पात्र न बने।	2
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	दहेज के लालच में लड़की को प्रताड़ना देना, हत्या या आत्महत्या के लिए प्रेरित करना। उसे कमज़ोर समझकर मान-सम्मान न देना।	2 10
13	13	13	13	विद्यार्थी अपनी समझ से उत्तर देंगे।	5
				खंड 'घ'	
14	14	14	14	एक विषय पर निबंध • प्रारंभ और समापन • विषय-वस्तु (चार बिंदु अपेक्षित) • प्रस्तुति और भाषा	 1+1=2 6 1+1=2 10
15	15	15	15	पत्र-लेखन • प्रारूप / औपचारिकताएँ • विषय-सामग्री • भाषा	 1 3 1 5

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अंक-योजना मार्च, 2015

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 3/1, 3/2, 3/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
	1	2	3		
16	16	16	16	सार-लेखन • शीर्षक • उपयुक्त सार (लगभग एक तिहाई शब्दों में)	 1 4 5

Downloaded From: http://www.cbseportal.com